Department of Hindi
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Workshop on 'Different Ideas of Research Methodology'
9th February, 2024

On 9th February 2024, a one-day workshop on the topic of 'Different Ideas of Research Methodology' was organized by the Hindi department of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind. The workshop was chaired by the principal of the college, Dr. Punam Mor and conducted by the Hindi department teachers Mrs. Poonam Singroha and Mrs. Suman Mor. As the keynote speaker in the workshop, Assistant Professor Dr. Sushma Garg of Hindu Kanya Mahavidyalaya Jind informed the students about various aspects related to research. In her lecture she also highlighted the meaning, nature of research and the process of collecting facts in a conscious manner. In her lecture, she explained and taught the stages of the research process, material collection, literature review, identification of the problem, selection of the topic and various types of methods related to research with examples. On this occasion, teachers Mrs. Poonam Singroha, Mrs. Suman Mor, Mrs. Arti Saini and Miss Aakanksha Ashri, as well as Ms. Surbhi as technical assistant, made a special contribution. In the last session of the workshop, the students got their various queries resolved by the keynote speaker Dr. Sushma Garg under discussion and dialogue. At the end of the workshop, the coordinator Mrs. Poonam Singroha presented a vote of thanks to everyone. President of the government body of the college, Dr Anshul Singla and other members congratulation Hindi department for the successful organisation of the workshop and encouraged the students to attend this type of workshops in future also.

Glimpses & Media Coverage of the Event

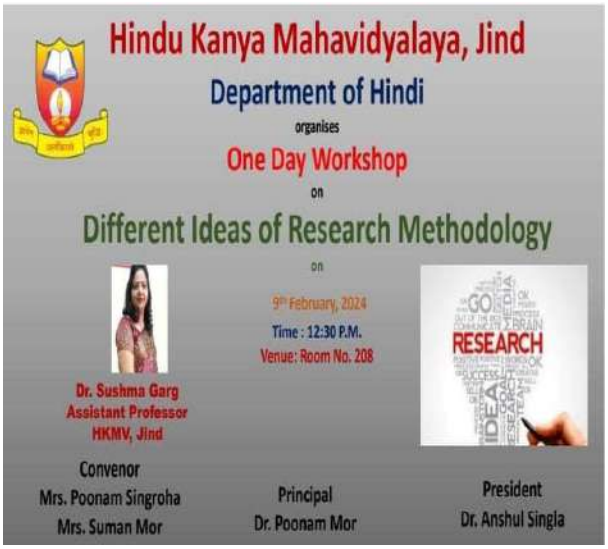

जींद केसरी

शनिवार SATURDAY, 10 फरवरी 2024

'रिसर्च मथाडालाजा' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जींद, 9 फरवरी (मित्तल): हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के हिंदी विभाग द्वारा रिसर्च मैथाडोलॉजी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डा. पूनम मोर के द्वारा, संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका पूनम सिंगरोहा व सुमन मोर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जानकारी देते हुए प्राध्यापिका। (मित्तल)

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डा. सुषमा गर्ग ने अनुसंधान संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी छात्राओं को दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में शोध का अर्थ, स्वरूप व बोधपूर्वक ढंग से तथ्यों का संकलन करने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में शोध प्रक्रिया के चरण सामग्री संकलन, साहित्य समीक्षा, समस्या की पहचान, विषय का चयन व शोध करने संबंधी विभिन्न प्रकार के तरीकों को उदाहरण के साथ समझाया व सिखाया।

इस अवसर पर प्राध्यापिका पूनम सिंगरोहा, सुमन मोर, आरती सैनी व कुमारी आकांक्षा के साथ-साथ तकनीकि सहायिका के रूप में सुश्री सुरभि का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला के अंतिम सत्र में छात्राओं ने चर्चा परिचर्चा संवाद के तहत अपने विभिन्न प्रश्नों का समाधान मुख्य वक्ता डा. सुषमा गर्ग से प्राप्त किया।

पंजाब केसरी

SAT,10 FEBRUARY 2024
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

'रिसर्च मैथाडोलॉजी' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जींद, 9 फरवरी (मित्तल): हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के हिंदी विभाग द्वारा रिसर्च मैथाडोलॉजी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डा. पूनम मोर के द्वारा, संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका पूनम सिंगरोहा व सुमन मोर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जानकारी देते हुए प्राध्यापिका। (मित्तल)

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डा. सुषमा गर्ग ने अनुसंधान संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी छात्राओं को दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में शोध का अर्थ, स्वरूप व बोधपूर्वक ढंग से तथ्यों का संकलन करने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में शोध प्रक्रिया के चरण सामग्री संकलन, साहित्य समीक्षा, समस्या की पहचान, विषय का चयन व शोध करने संबंधी विभिन्न प्रकार के तरीकों को उदाहरण के साथ समझाया व सिखाया।

इस अवसर पर प्राध्यापिका पूनम सिंगरोहा, सुमन मोर, आरती सैनी व कुमारी आकांक्षा के साथ-साथ तकनीकि सहायिका के रूप में सुश्री सुरभि का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला के अंतिम सत्र में छात्राओं ने चर्चा परिचर्चा संवाद के तहत अपने विभिन्न प्रश्नों का समाधान मुख्य वक्ता डा. सुषमा गर्ग से प्राप्त किया।